भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 5401
बुधवार, 25 मार्च, 2026 को उत्तर देने के लिए

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की प्रगति और लाभ

5401. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:
श्री यदुवीर वाडियारः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हमारे देश की ओर से भारतीय अंतर्राष्ट्रीय स्टेशन (बीएएस) नाम से अंतरिक्ष में एक पृथक अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) अन्य अंतरिक्ष स्टेशनों की तुलना में बीएएस के उद्देश्यों और प्रत्याशित क्षमताओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र की ओर से इसके निर्माण के लिए इच्छुक अंतरिक्ष एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) अंतरिक्ष में भारत की प्रतिष्ठा परियोजना के लिए निर्धारित कुल बजट और वर्तमान बजट वर्ष में जारी की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ङ) बीएएस परियोजना को कब तक पूरा कर लिया जाएगा और कब तक चालू कर दिया जाएगा और इसे समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए क्या महत्वपूर्ण उपलब्धियां निर्धारित की गई हैं; और

(च) इस बीएएस की स्थापना से भारत को क्या-क्या लाभ होने की संभावना है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए पांच मॉड्यूलों से युक्त समग्र संरचना तैयार कर ली है। राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा समिति द्वारा इस समग्र संरचना की समीक्षा की जा चुकी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सितंबर, 2024 में गगनयान कार्यक्रम के दायरे में संशोधन के अंतर्गत वर्ष 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस-01) के प्रथम मॉड्यूल के विकास और प्रक्षेपण को

मंजूरी दी। इसरो के केंद्रों/इकाइयों में बीएएस-01 मॉड्यूल की समग्र प्रणाली अभियांत्रिकी और विभिन्न उप-प्रणालियों के प्रौद्योगिकी विकास संबंधी कार्य प्रगति पर हैं।

(ख) और (ग)

यह उल्लेखनीय है कि विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के प्रथम मॉड्यूल के ढांचे के निर्माण हेतु भारतीय उद्योगों से रुचि की अभिव्यक्ति मांगी है।

(घ) वर्तमान में दी गई मंजूरी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के प्रथम मॉड्यूल तक ही सीमित है और प्रथम मॉड्यूल के विकास और प्रक्षेपण हेतु चार वर्षों (वर्ष 2025 से 2028) की अवधि के लिए लागत ₹1763 करोड़ होने का अनुमान है।

(ङ) एवं (च)

बीएएस के प्रथम मॉड्यूल को वर्ष 2028 तक प्राप्त करने और सभी पांच मॉड्यूलों सहित बीएएस को वर्ष 2035 तक प्रचालनात्मक बनाने का लक्ष्य है।

बीएएस के लिए लक्षित प्रमुख तकनीकी लक्ष्यों में मिलन एवं डॉकिंग, रोबोटिक्स, कक्षा में ईंधन भरना, कर्मीदल के रहने की जगह, यान के भीतर पहनने योग्य पोशाक और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रयोगों के लिए रैक शामिल हैं। प्रमुख सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान लक्षित क्षेत्रों में जीवन विज्ञान, औषधि विज्ञान, पदार्थ विज्ञान और विनिर्माण प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

****